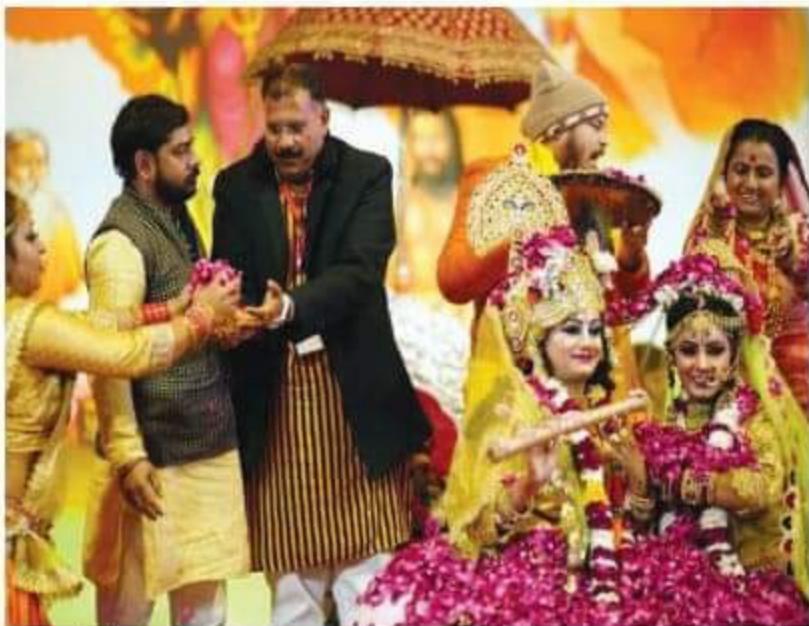


श्री राम कथा के मंच पर ब्रज रत्न वन्दनाश्री ने दी अपनी प्रस्तुति

श्री कृष्ण रस धारा से दर्शकों को किया नंत्रगुहध

जयपुर। (सफल राजस्थान) सुप्रसिद्ध गमाचार्यों एवं भजन गायिका वन्दनाश्री के रस गायन में जीवंत हुई श्री बालाजी महाराज की सालासर नगरी। पदम विभूषण तुलसी पैदाधी श्वर जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज के 74वाँ जन्मत्यस्व की पूर्व संख्या पर श्री बालाजी गौशाला संस्थान एवं पुजारी परिवार, सालासर के तत्वाधान में आयोजित ब्रज रत्न वन्दनाश्री मधुग्रा द्वारा श्री कृष्ण रस धारा का दिव्य मंचन प्रस्तुत किया वन्दनाश्री ने अपनी गायकों से सिद्ध कर दिया कि ब्रज रस की महिमा, वाणीका माधुर्य और ब्रज गायिका का सरसगान क्या होता है। विशुद्ध पदों वाले लोकगीतों के आत्मविभोर करने वाले गान ने दर्शकों एवं अतिथियों का मन मोहा।

श्री कृष्ण रस धारा प्रस्तुति में रथधारानी कमल की फूल, मोहन भंवर बन, वृन्दावन बौसे मोर, सालासर शोर भयों भारो, छोटी छोटी गङ्गा, छोटे छोटे ग्वाल, कान्हा ने मोरो, मटकों फोड़ी, श्री गोवर्धन महाराज, तेरे माथे मुकुट विराज स्तो, जमुन किनारे मेरो गाव, सांवरे आ जड़यो, एक से बढ़कर एक भजनों एवं भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं का मंचन किया गया विश्व प्रसिद्ध ब्रज लट्टुमार फूलों की होली से कार्यक्रम विश्राम किया गया। प्रस्तुति के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ब्रज रत्न



वन्दनाश्री की भावविभोर सुरमधुर गायकी ने दर्शकों को मनपुराध कर दिया और पूरे पंडिल को बालाजी महाराज की जय जयकार से भर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गौशाला अध्यक्ष रविशंकर पुजारी,

उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास, यज्ञ सम्प्राट बालपोर्गेश्वर दास महाराज, ब्रज लोक संस्कृति एवं सेवा संस्थान, मधुग्रा निदेशक दोषक शर्मा, दामोदर शर्मा एवं समस्त पुजारी परिवार द्वारा किया गया।